न्यूज डायरी

इराक में राष्ट्रीय बहुमत की सरकार बनाना चाहते हैं मौलवी मुक्तदा अल–सदर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बगदाद। इराक के प्रमुख शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल–सदर ने देश की राजनीतिक प्रक्रिया के लिए एक रोडमैप तैयार किया है, जिसमें राष्ट्रीय बहुमत वाली सरकार का गठन और अनियंत्रित सशस्त्र समूहों का विघटन शामिल है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अल–सदर की पार्टी 10 अक्टूबर को हुए चुनावों में सबसे आगे दिखाई दी। उन्होंने शिया पवित्र शहर नजफ से एक टेलीविजन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 'हमारे पास एकमात्र विकल्प या तो राष्ट्रीय बहुमत वाली सरकार या राष्ट्रीय विपक्ष (संसद में) है। 'अल–सदर ने चुनावों में हारने वाले राजनीतिक दलों को संबोधित करते हुए कहा, 'दुनिया ने चुनावों की अखंडता देखी है और आपका नुकसान इराक में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समाप्त करने और बर्बाद करने का प्रस्ताव नहीं होना चाहिए।'

भारत के साथ समझौतों का उल्लंघन क्यों किया, जवाब नहीं दे पा रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिंगापुर। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को चीन पर जोरदार प्रहार किया। जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन अपने संबंधों को लेकर 'विशेषतौर पर खराब दौर' से गुजर रहे हैं क्योंकि बीजिंग ने समझौतों का उल्लंघन करते हुए कुछ ऐसी गतिविधियां कीं जिनके पीछे उसके पास अब तक 'विश्वसनीय स्पष्टीकरण' नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के नेतृत्व को इस बात का जवाब देना चाहिए कि द्विपक्षीय संबंधों को वे किस ओर ले जाना चाहते हैं। यहां ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमिक फोरम में 'वृहद सत्ता प्रतिस्पधार्रू उभरती हुई विश्व व्यवस्था' विषय पर आयोजित गोष्ठी में एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि चीन को इस बारे में कोई संदेह है कि हमारे संबंधों में हम किस मुकाम पर खड़े हैं और क्या गड़बड़ है। मेरे समकक्ष वांग यी के साथ मेरी कई बार मुलाकात हुई हैं। यदि वे इसे सुनना चाहते हैं तो मुझे पूरा भरोसा है कि उन्होंने सुना होगा।'

दुनियाभर से भारतीयों ने अपने घर भेजे 6.5 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। विदेश गए नागरिकों द्वारा धन अपने घर भेजे जाने के मामले में भारत दुनियाभर में पहले स्थान पर है। विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा है कि इस वर्ष दुनियाभर में बसे भारतीयों ने 87 अरब डालर यानी 6,52,500 करोड़ रुपये भारत भेजे। इसमें से 20 प्रतिशत से अधिक राशि अमेरिका से भेजी गई है। विदेश गए नागरिकों से अपने घर धन भेजे जाने के मामले में भारत के बाद चीन, मैक्सिको , फिलीपींस और मिस्र का स्थान है। हालांकि माना जा रहा है कि अगले वर्ष भारत भेजी जाने वाली रकम सिर्फ तीन प्रतिशत बढ़ेगी। इसकी वजह यह है कि कोरोना संकट के दौर में एक तरफ भारत से अन्य देशों को जाने वाले कामगारों की संख्या घटी है, तो दूसरी तरफ अरब देशों से भारत लौटने की प्रतीक्षा कर रहे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

चीन के खिलाफ ताइवान सेना ने तैनात किया एफ–16वी लड़ाकू विमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ताइवान ने चीन की धमकियों का करारा जवाब दिया है। उसने अपनी रक्षा शक्ति बढ़ाते हुए वायुसेना में उन्नत एफ–16वी लड़ाकू विमानों को तैनात किया है। चीन स्वशासित द्वीप ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग–वेन ने चियाई सैन्य बेस पर वायुसेना में 64 उन्नत एफ–16वी लड़ाकू विमानों को शामिल कराया। ये विमान ताइवान के कुल 141 एफ–16 एब्बी लड़ाकू विमानों का हिस्सा हैं, जो 1990 के आसपास में विकसित किए गए थे। वर्ष 2023 के अंत तक इन सभी विमानों को पूर्ण रूप से उन्नत कर दिया जाएगा। ताइवान ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब वह चीन व अमेरिका के बीच तनाव की सबसे बड़ी वजह बन चुका है। चीनी राष्ट्रपति ने इसी हफ्ते एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन में अपने अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन से कहा था कि ताइवान पर चीन के दावे को दी जानी वाली चुनौतियों का मतलब आग से खेलना होगा।

दक्षिण कोरिया में घुसे रूसी और चीनी लड़ाकू विमान

घुसपैठ

- रूस और चीन के विमान उल्टे पांव वापस लौटे
- जापान सागर में तनाव बढ़ा, द्वीपों को लेकर पहले से उलझे हुए हैं ये देश

अलर्ट मिलने के बाद दक्षिण कोरियाई लड़ाकू विमानों ने भरी उड़ान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सियोल। कोरियाई प्रायद्वीप में जारी तनाव के बीच रूस और चीन के लड़ाकू विमानों ने दक्षिण कोरिया के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की। जिसके बाद ऐक्शन में आई दक्षिण कोरियाई वायु सेना ने अपने लड़ाकू विमानों को मोर्चे पर तैनात कर दिया। अपनी तरफ दक्षिण कोरियाई लड़ाकू विमानों को आता देख रूस और चीन के विमान उल्टे पांव वापस लौट गए। हालांकि, इस घटना के बाद से दक्षिण कोरिया ने अपने पूरे वायुसीमा की निगरानी को काफी बढ़ा दिया है।

दक्षिण कोरियाई लड़ाकू विमानों ने खदेड़ाः दक्षिण कोरियाई सेना के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि दो चीनी और सात रूसी सैन्य विमान शुक्रवार को बिना किसी सूचना के दक्षिण कोरिया के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश कर गए। जिसके बाद हमें अपने लड़ाकू विमानों को घटनास्थल पर भेजना पड़ा। चीन और रूस के लड़ाकू विमानों ने अलग–अलग समय पर दक्षिण कोरिया के सबसे पूर्वी द्वीप डोकडो के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया था।

चीन बोला– यह नियमित उड़ान के दौरान की घटनाः इस घटना के बाद चीन के अधिकारियों ने एक कम्यूनिकेशन चौनल के जरिए दक्षिण कोरियाई सेना को बताया कि उनके विमान एक नियमित अभ्यास पर थे।

वहीं, दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने कहा कि कोरिया के हवाई क्षेत्र में चीनी और रूसी विमानों का प्रवेश उनके संयुक्त अभ्यास का एक हिस्सा लग रहा है। हालांकि, हम इस घटना की पूरी जांच कर रहे हैं।

जापान सागर में तनाव चरम परः जापान सागर में स्थित द्वीपों को लेकर चीन, जापान, रूस, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच संबंध अच्छे नहीं हैं। चीन और जापान सेनकाकु द्वीप को लेकर भिड़े हुए हैं। इस द्वीप को चीन में डियाओस के नाम से जाना जाता है। इन द्वीपों का प्रशासन 1972 से जापान के हाथों में है।

वहीं, रूस और जापान में कुरील द्वीप को लेकर विवाद है। दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच भी समुद्री सीमा को लेकर विवाद है। चीन तो पूरे दक्षिण चीन सागर पर ही अपना दावा करता है।

800 साल बाद भी क्वीन को लगान देता है लंदन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। बीते अक्टूबर में रॉयल कोर्ट ऑफ जस्टिस में आयोजित एक समारोह में लंदन ने रानी को बकाया श्किराएश का भुगतान किया। यह समारोह वैसा ही था जैसा आठ शताब्दियों से चलता आ रहा है। शहर ने किराए के रूप में एक चाकू, एक कुल्हाड़ी, छह घोड़े की नाल और 61 कीलें बारबरा जेनेट फॉनटेन को सौंपी। वह क्वीन की रिमेम्बरेंस हैं जो ब्रिटेन का सबसे पुराना न्यायिक पद है। यह पद 12वीं शताब्दी में बनाया गया था जिसका काम क्वीन पर बकाया किराए की वसूली है।

इस मामले में रिमेम्बरेंस ने संपत्ति के दो टुकड़ों पर बहुत लंबे समय से बाकी किराए की वसूली की है। इसमें एक मामला 1235 और दूसरा 1211 का है। हर साल किराया वसूलने के इस समारोह में क्वीन की ओर से संपत्तियों पर बकाया किराया लिया जाता है। कोई नहीं जानता कि ये दोनों जमीनें अब कहां हैं लेकिन सैकड़ों सालों से शहर इन पर लगान चुका रहा है। हालांकि किराए की दर में कोई बदलाव नहीं आया है और सैकड़ों साल से वही चीजें दी जा रही हैं। द सेरेमनी ऑफ क्विट रेंट्स अच्छी तरह से प्रचारित नहीं किया और न ही कभी इसके बारे में ज्यादा बात की गई। न्यूज सर्विसेज ने भी इसे सालों में एक–दो बार ही कवर किया।

चार पैरों वाला सांप, वह निकली 11 करोड़ साल पुरानी समुद्री छिपकली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। आज से छह साल पहले 2015 में श्चार पैरों वाले सांपश की खोज की गई थी। अब एक स्टडी में खुलासा हुआ है कि वह सांप नहीं बल्कि लंबे शरीर वाली समुद्री छिपकली थी। ब्राजील में पाए गए जीवाश्म जीव को शुरुआत में सांप और छिपकली के बीच का जीव समझा जा रहा था। यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा के जीवाश्म विज्ञानियों के मुताबिक 11 करोड़ साल पुराना सरीसृप, टेट्रापोडोफिस एम्प्लेक्टस, एक छिपकली से ज्यादा कुछ नहीं है। इसके लंबे शरीर और सांप जैसे दांत के चलते वैज्ञानिकों ने शुरू में प्राणी को सांप समझा था। अध्ययन के प्रमुख लेखक यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा के जीवाश्म विज्ञानी माइकल कैल्डवेल ने कहा कि बाद में पता चला कि जीव को पहचानने में गलती हुई थी।

आतंकवाद को समर्थन के कुछ देश हैं स्पष्ट दोषी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर से आतंकवाद के सुरक्षित पनाहगाह और आतंकियों के आका पाकिस्तान की जमकर खबर ली है। संयुक्त राष्ट्र में पाक पर निशाना साधते हुए भारत ने कहा कि कुछ देश आतंकवाद का समर्थन करने और सहयोग करने के श्स्पष्ट रूप से दोषीश हैं और वे जानबूझकर आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करते हैं। भारत ने ऐसे देशों के खिलाफ एक्शन लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की और सामूहिक रूप से ऐसे देशों को जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया। भारत ने संयुक्त

आतंकवादियों को वित्तीय संसाधनों तक पहुंचने से रोकना महत्वपूर्ण

राष्ट्र के मंच से एक बार फिर कहा कि भारत तीन दशकों से अधिक समय से सीमा पार आतंकवाद का शिकार रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव राजेश परिहार ने आतंकवाद विरोधी समिति और 1267/198:2253 आइएसआइएल और अलकायदा प्रतिबंध समिति की संयुक्त विशेष बैठक में यह टिप्पणी की। उन्होंने उन रिपोर्ट्स का हवाला दिया जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकी समूहों के नेताओं पर मुकदमा चलाने में दक्षिण एशिया के कुछ देशों की ढिलाई की ओर इशारा करती हैं और जहां आतंकी संगठन धन जुटाना जारी रखे हुए हैं। जाहिर तौर पर यह इशारा पाकिस्तान की ओर ही था।

भारत के दूत राजेश परिहार ने कहा कि आतंकवाद के खतरे का सफलतापूर्वक मुकाबला करने के लिए आतंकवादियों को वित्तीय संसाधनों तक पहुंचने से रोकना महत्वपूर्ण है। कुछ देशों में कानूनी परिचालन ढांचे और आवश्यक आतंकवाद के वित्तपोषण (सीएफटी) क्षमताओं का मुकाबला करने की कमी है तो कुछ देश ऐसे हैं जो स्पष्ट रूप से आतंकवाद को सहायता और समर्थन देने और जानबूझकर वित्तीय सहायता और आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करने के दोषी हैं।

एस्ट्राजेनेका की एंटीबाडी काकटेल कोरोना खिलाफ 83 फीसद असरदार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। एस्ट्राजेनेका की एंटीबाडी काकटेल कोरोना खिलाफ 83 फीसद असरदार पाई गई है। साथ ही वह संक्रमण के खिलाफ कम से कम छह महीने तक सुरक्षा प्रदान करती है। कंपनी ने यह दावा किया है। इससे विश्व में कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई और मजबूत होगी। एवुशेल्ड नामक थेरेपी को पहले तीन महीने के बाद लक्षण वाले मरीजों पर 77 फीसद असरदार पाई गई थी। इस डेटा से कैंसर पीड़ित समेत उन लोगों के लिए कोरोना से सुरक्षा की उम्मीद बढ़ी है, जिनमें टीका प्रभावी नहीं पाई गई है।

एंजलो–स्वीडिश कंपनी ने यह भी कहा कि हल्के से मध्यम लक्षण वाले रोगियों को लेकर एक अलग अध्ययन से पता चला है कि पहली बार लक्षण दिखने के तीन दिन के अंदर एवुशेल्ड की खुराक से हालत बिगड़ने के जोखिम को 88 प्रतिशत तक कम हो जाती है। महीनों तक शरीर में बरकरार रहने के लिए बढ़ाया गया एंटीबॉडी उपचार, हाथ में दो अनुक्रमिक शॉट्स के रूप में एक बार में दिया जाता है।